पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने युवा कुम्भ में अपने विचार रखे
वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा युवा भारत में होंगे - राज्यपाल
कुम्भ का पर्व समरसता का प्रतीक है - मुख्यमंत्री

लखनऊः 23 दिसम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज रमा बाई मैदान में आयोजित 'युवा कुम्भ' में सहभाग किया। इस अवसर पर 'युवा कुम्भ' के प्रभारी मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, महापौर डाॅ0 संयुक्ता भाटिया, मुख्य वक्ता डाॅ0 कृष्ण गोपाल सहसरकार्यवाह, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे। 'युवा कुम्भ' में पुस्तक 'जाग रे नचिकेता जाग' का विमोचन भी किया गया।

राज्यपाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यूनेस्को ने कुम्भ को 'अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' के रूप में मान्यता दी है। इसी प्रकार भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता दिला कर भारत का गौरव बढ़ाने का काम किया है। प्रयागराज कुम्भ समिति के वे अध्यक्ष हैं। इस समय का कुम्भ और पूर्व के कुम्भ में मौलिक अन्तर है। इस वर्ष होने वाला कुम्भ 2019 प्रयागराज मंे होगा न कि इलाहाबाद में। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के नाम की पुनःस्थापना वास्तव में दिशा दर्शक है।

श्री नाईक ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है। वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा युवा भारत में होंगे। जब हम युवा की बात करते हैं तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसमें महिलाओं की भागीदारी है। विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं को भी आगे लाने की जरूरत है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में नया चित्र देखने को मिल रहा है। 26 विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह में 12,78,985 उपाधियां प्रदान की गयी, जिसमें 56 प्रतिशत छात्राएं हैं तथा 1,741 पदकों में 1,143 अर्थात् 66 प्रतिशत पदक छात्राओं ने प्राप्त किये हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों का प्रदर्शन पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के 'सर्व शिक्षा अभियान' तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान का प्रतिफल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुम्भ का पर्व समरसता का प्रतीक है। यूनेस्को ने कुम्भ को 'अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' की संज्ञा दी है। भारत का अतीत अत्यन्त गौरवशाली रहा है, अतीत से भटका व्यक्ति त्रिशंकु होता है। कुम्भ 2019 में श्रद्धालुओं के लिये अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन के साथ-साथ नभ, जल व थल के रास्ते पहुंचने की भी व्यवस्था की गयी है। यह पहला कुम्भ होगा जहाँ वाटर बोट एवं एयर कनेक्टिविटी की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि भारत राजनैतिक रूप से चाहे अलग रहा हो पर विभिन्न संस्कृतियों के बावजूद देश एक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे ज्यादा युवा भारत में हैं। भारत की युवा शक्ति जहाँ भी गयी उसने अपना लोहा मनवाया। आबादी की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक युवा हैं। युवाओं के लिये केन्द्र एवं राज्य सरकार ने रोजगार उपलब्धि के लिये अपनी योजनाओं के माध्यम से एक मंच प्रदान किया है। शिक्षकों एवं पुलिसकर्मियों की भर्ती हो रही है। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के माध्यम से युवाओं को सम्मानजनक ढंग से रोजगार उपलब्ध होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाये गयी योजनाओं, जैसे स्टैण्ड अप इण्डिया, स्टार्ट अप इण्डिया, कौशल विकास के लिये उनका अभिनन्दन भी किया।

मुख्य वक्ता श्री कृष्ण गोपाल सहसरकार्यवाह ने कहा कि युवा कुम्भ के पीछे एक बड़ी भूमिका है। आध्यात्म ने हमारे देश को एक सूत्र में बांधे रखा है। विश्व के न जाने कितने देश विभाजित हो गये, पर भारत आज भी एक है। भारत की आधारशिला धर्म और आत्ध्यात्म है। भारत देश आज खाद्यान्न के मामले में देशवासियों का पेट भरने में समर्थ है। भारत-पाक युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उपवास रखने की सलाह दी थी। आज भारत कृषि, तकनीक, प्रबंधन एवं अभियंत्रण आदि में अग्रणी देश है। भारत के वैज्ञानिक, उद्योग से जुड़े लोग एवं सैन्य शक्ति को ख्याति प्राप्त है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमारी संस्कृति है तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिये अमीरी और गरीबी की खाई को पाटना होगा।

कार्यक्रम में प्रो0 एस0पी0 सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा अतिथियों का परिचय दिया। श्री शतरूद्र प्रताप राष्ट्रीय संयोजक युवा कुम्भ ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (493/24)